B.Com.(HONS)
P1 – A/cs (H)
Paper- I
FINANCIAL ACCOUNTING
Date- 19.05.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर, मधुबनी

UNIT- I
TOPIC – MEANING OF ACCOUNTING

वर्तमान समय में व्यवसाय का आकार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है, साथ-ही साथ व्यावसायिक समस्याएँ भी उलझती जा रही है। व्यवसाय में उसके स्वामियों के अतिरिक्त प्रबंध, लेनदार, विनियोगकर्ता, कर्मचारी एवं सरकार आदि का भी हित होता है। व्यवसाय का स्वामी यह आशा करता है कि उसे आवश्यक वित्तीय सूचना तुरंत उपलब्ध हो, ताकि प्राप्त सूचना के आधार पर व्यवसाय की भावी प्रगति के लिए प्रभावी योजनाएँ बनायी जा सकें। इन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति वर्तमान में लेखांकन (ACCOUNTING) द्वारा ही संभव है। अतः "लेखांकन व्यवसाय के लेखों एवं घटनाओं को जो पूर्णरूपेण या आंशिक रूप से वित्तीय होते हैं, मुद्रा के रूप में प्रभावशाली ढंग से लिखने, वर्गीकृत करने तथा सारांश में व्यक्त करने एवं उनके परिणामों की आलोचनात्मक विधि से व्याख्या करने की कला है।"

कुछ विद्वानों द्वारा लेखांकन की परिभाषा इस प्रकार दी गई है:—

(i) स्मिथ एवं एशबर्न के अनुसार— "लेखांकन प्रधान रूप से वित्तीय व्यावसायिक व्यवहारों और घटनाओं को लिखने का विज्ञान है तथा वित्तीय व्यवहारों एवं घटनाओं का महत्वपूर्ण सारांश बनाने, विश्लेषण करने, उसकी व्याख्या करने एवं परिणामों को उन व्यक्तियों तक पहुँचाने की कला है, जिन्हें उसके आधार पर निर्णय लेने हैं।"

Scanned with CamScanner

(iii) बिमरमैन एवं डरेलिन के अनुसार— "लेखांकन का अर्थ वित्तीय सूचनाओं की पहचान, माप, लेखा एवं सम्प्रेषण करना है."

(iiii) पी० एन० गांधी के अनुसार — "लेखांकन प्रकृति व्यवसाय की वित्तीय सूचनाओं का एकत्रीकरण, संक्षिप्तीकरण, विश्लेषण एवं सम्प्रेषण है."

उपर्युक्त परिभाषाओं से निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट होते हैं :—

(i) लेखांकन लेन-देनों के लिखने एवं वर्गीकृत करने की कला है.

(ii) प्रत्येक लेनदेन पूर्ण या आंशिक रूप से वित्तीय प्रकृति के होते हैं, जिन्हें मुद्रा में व्यक्त किए जाते हैं.

(iii) यह सारांश लिखने, विश्लेषण एवं निर्वचन (analysis and interpretation) करने की कला है.

(iv) विश्लेषण एवं निर्वचन की सूचना उन व्यक्तियों को दी जानी चाहिए जिन्हें उनके आधार पर परिणाम या निर्णय लेने हैं.

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि लेखांकन व्यवसाय के वित्तीय प्रकृति के सौदों की पहचान, वर्गीकरण, लेखा, संक्षिप्तीकरण, विश्लेषण एवं निर्वचन की कला है. इसके अनुसार, लेनदेनों की पहचान कर उन्हें सहायक बहियों एवं जर्नल में लेखा करता है, आवश्यक लेजर खाते तैयार किया जाता है तथा उसके शेष से परीक्षा सूची (तलपट) तैयार की जाती है और अंत में अंतिम खाते तैयार कर संबंधित सूचनाएँ समस्त सामाजिक पक्षों को सम्प्रेषित कर दी जाती है. ——

Scanned with CamScanner

SCOPE OF ACCOUNTING

लेखांकन का क्षेत्र :—

लेखांकन का कार्य प्रायः पुस्तपालन (Book-keeping) के कार्यों के बाद प्रारम्भ किया जाता है. अतः इसके कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं —

(i) पुस्तपालन की प्रविष्टियों की जाँच करना

(ii) खातों के योग तथा शेष की जाँच करना

(iii) खातों के शेष से तलपट (Trial Balance) बनाना

(iv) समायोजनाओं का समावेश करना

(v) अन्तिम खाते जिसमें व्यापार निर्माण खाता, व्यापारिक खाता, लाभ-हानि खाता, एवं आर्थिक चिट्ठा का निर्माण करना।

(vi) भूल सुधार के लेखे करना तथा

(vii) अन्तिम खाते का विश्लेषण कर उसके आधार पर निर्णय व निष्कर्ष निकालना।

OBJECTIVES OF ACCOUNTING

लेखांकन के उद्देश्य :—

सामान्यतः व्यापार के स्वामी के लिए यह असंभव है कि वह व्यापार संबंधी समस्त लेनदेनों को याद रख सके. विशेषकर बड़े व्यावसायिक इकाइयों में जहाँ असंख्य लेन देन होते हैं; सभी बातों को याद रखना असंभव है. अतः इन परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि व्यावसायिक लेन-देन का प्रलेखीय प्रमाण हो और उन्हें समुचित रूप से लेखा पुस्तकों में दिखाया जाए. इन व्यवहारों का समुचित लेखांकन प्रबंधन के लिए अपनी उपलब्धियों के मूल्यांकन करने एवं भविष्य की योजनाओं को बनाने में सहायक हो. एवं अदालत में सबूत के तौर पर प्रस्तुत की जा सके. —

Scanned with CamSc

अतः लेखांकन का प्रयोग निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति में अति आवश्यक होती है :—

(i) व्यवसाय की सम्पत्ति लेखा पुस्तकें तैयार करना

(ii) लाभ-हानि का निर्धारण करने

(iii) वित्तीय स्थिति का चित्रण प्रस्तुत करने

(iv) विभिन्न पक्षों को वित्तीय परिणामों की सूचना उपलब्ध करने

(v) व्यवसाय पर प्रभावी नियंत्रण करने

(vi) कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा

(vii) अशुद्धियों व कपटों का पता लगाने एवं दूर करना।

Scanned with CamSc